Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
BA 312

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Dec. – 2017

B.A. (With Yoga Science) Semester: Third

संस्कृत

संस्कृत साहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. अधोलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –
शैशवेऽभ्यस्तविद्यानां यौवने विषयैषिणाम्।
वार्धके मुनिवृत्तीनां योगेनान्ते तनुत्यजाम्।।
रघूणामन्वयं वक्ष्ये तनुवाग्विभवोऽपि सन्।
तद्गुणैः कर्णमागत्य चापलाय प्रणोदितः।।

2. अधोलिखित मन्त्र की व्याख्या कीजिए –
यस्तु सर्वाणि भूतानि आत्मन्येवानुपश्यति।
सर्वभूतेषु चात्मानं ततो न विजुगुप्सते।।

3. महाकवि बाणभट्ट की रचना शैली व परिचय विस्तार से लिखिए।

4. चन्द्रालोकानुसार दोषों को बताते हुए किन्हीं चार प्रमुख दोषों के उदाहरण भी प्रस्तुत कीजिए।

5. अधोलिखित श्लोक का सन्दर्भ प्रसंग सहित भावार्थ स्पष्ट कीजिए –
अथाभ्यर्च्य विधातारं प्रयतौ पुत्रकाम्यया।
तौ दंपती वशिष्ठस्य गुरोर्जग्मतुराश्रमम्।।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. मन्द्राकान्ता छन्द का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए।
2. काव्यलक्षण का निरूपण चन्द्रालोकानुसार कीजिए।
3. 'शार्दलविक्रीडितम्' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।
4. "पञ्चबाणस्तु बाणः' इस विषय पर टिप्पणी लिखिए।
5. राजा दिलीप तथा सुदक्षिणा के वशिष्ठाश्रम गमन का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
6. प्रतिकूलाक्षरत्व दोष को समझाइये।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×01=10)**

1. वाग्विचार किस मयूख का नाम है?
   (अ) द्वितीय (ब) प्रथम
   (स) (अ) एवं (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
2. राजा दिलीप की पत्नी है.....
   (अ) कौशल्या (ब) सुमित्रा
   (स) दक्षिणा (द) सुदक्षिणा
3. शिखरिणी में वर्णों की संख्या होती है.....
   (अ) 19 (ब) 18
   (स) 17 (द) 21
4. जहाँ व्याकरण के नियम विरुद्ध प्रयोग होता है, वहाँ दोष होता है.....
   (अ) निरर्थक (ब) संदिग्ध
   (स) च्युतसंस्कृति (द) शिथिल
5. रघुवंश है.....
   (अ) काव्य (ब) रीतिकाव्य
   (स) खण्डकाव्य (द) महाकाव्य
6. 'उत्तररामचरितम्' इनकी रचना है.....
   (अ) भवभूति (ब) दण्डी
   (स) जयदेव (द) बाणभट्ट
7. "चन्द्रालोकमयं स्वयं वितनुते पीयूषवर्षः कृती" इसमें कौन–सा छन्द है?
   (अ) वंशस्थ (ब) मन्दाक्रान्ता
   (स) शिखरिणी (द) शार्दूलविक्रीडित
8. पादपूर्ति हेतु प्रयोग किये गये पदों यथा च, तु, हि, वै में दोष है.....
   (अ) सार्थक (ब) निरर्थक
   (स) प्रतिकूल (द) ग्राम्य
9. चन्द्रालोक के अनुसार शब्द के प्रकार हैं.....
   (अ) एक (ब) दो
   (स) तीन (द) चार
10. अन्त में सुबन्त या तिङन्त वाले शब्द को कहते हैं.....
    (अ) अपद (ब) सपद
    (स) विपद (द) पद

----------X----------